INDIAN ECONOMY

Dr. Shashi Kiran Nayak
Dr. Anushka Mishra
Dr. Rohini Tripathi
Amber Sarsvat

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
2022/11/12 12:12

Printed at
RAAJ PRINTING HOME
Z-22, Zone-1, M.P. Nagar,
Bhopal-462011

ISBN No. 978-93-5254-389-8

Indian Economy

Second Edition
2017

Rs.100/-

Index

1.	Indian Economy: Nature, Structure and Basic Features, Growth, Composition, Sectoral Development and Inter-Relationship	1-11
2.	Natural Resources: Land, Water Forest and Minerals Human Infrastructure of Indian Economy: Health, Nutrition, Education, Knowledge and Skills, Housing and Sanitation	12-20
3.	Basic Features of Indian Economy	21-25
4.	Human Resources and Demographic Features in India	26-44
5.	Problem of Population and Population Policy in India	45-64
6.	Agriculture Importance, Nature, Production and Productivity	65-82
7.	Land Tenures and Reforms	83-92
8.	Green Revolution	93-103
9.	Rural Credit	104-116
10.	Agricultural Marketing	117-125
11.	Agriculture Mechanisation	126-130
12.	Basic Features of M.P. Economy	131-141
13.	Small Scale and Cottage Industries	142-150
14.	Major Large Scale Industries of India (Iron and Steel, Cement, Cotton-Textile, Sugar and Automobiles	151-167
15.	Economic Planning (Meaning, Objects, Importance and Type)	168-181
16.	Strategy of Economic Planning	182-188
17.	Achievements and Failures of Planning	189-195
18.	Eleventh Five Year Plan (2007-12)	196-199
19.	Twelfth Five Year (2012-17)	200-204

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
202

उन्नत आर्थिक विश्लेषण

डॉ. शशिकिरण नायक
श्रीमती रोहिणी त्रिपाठी

उन्नत आर्थिक विश्लेषण

डॉ. शशिकिरण नायक, श्रीमती रोहिणी त्रिपाठी

उन्नत आर्थिक विश्लेषण

ADVANCED ECONOMIC ANALYSIS

एम.ए. पूर्वार्द्ध - प्रथम सेमेस्टर

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न
विश्वविद्यालयों के लिए स्वीकृत नवीनतम् पाठ्यक्रम

डॉ. शशिकिरण नायक
एवं
श्रीमति रोहिणी त्रिपाठी

उन्नत आर्थिक विश्लेषण : ADVANCED ECONOMIC ANALYSIS

डॉ. शशिकिरण नायक एवं श्रीमति रोहिणी त्रिपाठी : DR. SHASHIKIRAN NAYAK & SMT. ROHINI TRIPATHI

© मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

■ प्रादेशिक भाषाओं में विश्वविद्यालय स्तरीय ग्रन्थों के निर्माण की, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) की केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत, भारत सरकार के द्वारा रियायती दर पर उपलब्ध कराये गये कागज़ एवं मध्यप्रदेश शासन की ओर से प्राप्त अनुदान की मदद से रियायती मूल्य पर मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल द्वारा प्रकाशित।

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, बानगंगा, भोपाल (म.प्र.) 462 003
दूरभाष : (0755) 2553084

संस्करण : तृतीय (आवृति) 2021

मूल्य : रू. 120.00 (एक सौ बीस) मात्र

कम्पोजिंग : मीडिया ग्राफिक्स एण्ड कम्प्यूटर्स, भोपाल

प्राक्कथन

हिन्दी भाषा मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने और भविष्यत जीवन-... साधन का उपयोग करते हुए सफल होने का मार्ग प्रशस्त करती है, साथ ही जिज्ञासा... का अंकुरण करती हैं। देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी है। हिन्दी भाषा के विकास के कई युग... रण हैं। यदि यह आज विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषाओं में गिनी जाती है तो इसका कारण उसकी व्याकरणात्मक परिपक्वता है। शास्त्रीय भाषा संस्कृत की उत्तराधिकारी और अनेक जन-बोलियों की अधिष्ठात्री हिन्दी का आज इतना सामर्थ्य है कि विश्व के अद्यतन विषय, अनुसंधान और तकनीक के विकास को इसके माध्यम से सुगमता से सम्प्रेषित किया जा सकता है। शिक्षाविदों का मानना है कि विषयगत वैशिष्ट्य अर्जित न कर पाने का एक बड़ा कारण विद्यार्थियों पर माध्यमगत दबाव है। मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा सहज ग्राह्य और संप्रेष्य तो होती ही है, शिक्षार्थी पर भाषा का अनावश्यक दबाव भी नहीं होता, उसमें मौलिक सोच पैदा होती है।

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के प्रकाशन, हिन्दी के सामर्थ्य के प्रकटीकरण का विनम्र उदाहरण है। चूँकि मातृभाषा मनुष्य के संस्कार, संचेतना और विकास का आधार होती है, इसलिए उसके माध्यम से शिक्षार्जन सबसे सहज और प्रामाणिक होता है। भारत सरकार ने इसी के मद्देनजर देश के सभी राज्यों में मातृभाषा के माध्यम से उच्च शिक्षा के अध्ययन-अध्यापन को सुगम बनाने की दृष्टि से, ग्रन्थों के लेखन-प्रकाशन की व्यवस्था के लिए अकादमियों की स्थापना की पहल की। इसी केन्द्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन ने 1970 में अकादमी की स्थापना की। अकादमी उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सभी विषयों की अध्ययन सामग्री हिन्दी में उपलब्ध करा रही है। हिन्दी का सर्वांगीण विकास मूलतः देश और आमजन का विकास है। इसलिए मेरी मान्यता है कि सभी अधुनातन विषयों की पुस्तकों का हिन्दी में लेखन-प्रकाशन की निरंतरता बनी रहनी चाहिए।

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी मातृभाषा के माध्यम से विगत 50 वर्षों से अनवरत उच्च शिक्षा के क्षेत्र में माध्यम परिवर्तन की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से केन्द्र प्रवर्तित योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालयीन पाठ्यक्रम आधारित पाठ्य पुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए संदर्भ पुस्तकों के प्रकाशन का कार्य कर रही है।

मेरी अभिलाषा है कि हिन्दी में स्तरीय मानक पुस्तकों के प्रकाशन के इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में प्रदेश के प्राध्यापक लेखन, परीक्षण एवं सम्पादन कार्य से जुड़कर तथा विद्यार्थियों के बीच इनके उपयोग को बढ़ावा देकर अपना रचनात्मक सहयोग दें और विद्यार्थी इन्हें अपने अध्ययन का साथी बनाकर अकादमी के कार्य को सार्थकता प्रदान करें।

(डॉ. मोहन यादव)
मंत्री, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन
एवं अध्यक्ष, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल